# एकल नारी की आवाज

vad % 29] ekg % tqykbZ] o"kZ % 2012] futh izlkj gsrq


## जोशपूर्ण नारों व गीतों के साथ धूमधाम से मनाया गया

### ''1 जून महिला सशक्तिकरण दिवस''

**एकल नारी यहीं डटेगी, अपने अधिकार लेकर हटेगी।**
**हम हमारा अधिकार जानते नही किसी से भीख मांगते ।।**

एकल नारी शक्ति संगठन द्वारा जोशपूर्ण नारों व गीतों के साथ 1 जून महिला सशक्तिकरण दिवस मनाया गया। महिला सशक्तिकरण दिवस के उपलक्ष्य मे महिलाओं ने ब्लॉक स्तर व जिला स्तर पर बैठकें की व रैलीयां निकाल कर अपने-अपने क्षेत्र के जनप्रतिनिधि व प्रशासनिक अधिकारियों को एकल महिलाओं की समस्याओं से संबन्धित ज्ञापन सोंपे। राजस्थान राज्य के अलग-अलग जिलों व ब्लॉकों में एक ही दिन 1 जून को मनाये जाने वाला यह दिन महिलाओं के सशक्तिकरण व शक्ति का प्रतीक है। यह दिवस महिलाओं को अपनी शक्ति की पहचान करने व समाज को यह दिखाने के लिए मनाया जाता है कि महिलाऐं किसी से कमजोर नहीं है। संगठन के सदस्यों द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी यह दिवस धूमधाम से मनाया गया। जिसमें संगठन के सदस्यों, सामाजिक संगठन/संस्थाओं व शहर के उन गणमान्य नागरिकों ने जोश व उत्साह के साथ भाग लिया जो महिला सशक्तिरकण को बढ़ावा देने की सोच रखते है।

इस दिन बैठकों के माध्यम से एकल महिलाओं की समस्याओं पर चर्चा की गई जिसमे मुख्य रुप से विधवा पेंशन समय पर नही मिलना, महगांई के कारण पेंशन राशि बढाने, सभी गरीब एकल महिलाओ का नाम बी0पी0एल0 सूची मे नही होना, व परित्यकता पेंशन नियम मे बदलाव आदि समस्याऐ निकलकर आयी। जिस पर एक मांग पत्र तैयार किया गया।

साथ ही बैठक मे बढ़ती कन्या भ्रूण हत्या पर भी चर्चा की गई। महिलाओं ने अपने विचार रखते हुए कहा कि संगठन मे हजारों विधवा एकल महिलाऐ हैं और हम देख रहे हैं कि बेटे रोटी नही देते, घर से मां-बाप को निकाल देते है, ऐसे में बेटिया ही मां-बाप को भावनात्मक सहारा देती हैं और मदद करती है। तो संगठन के अनुभव से हम लोगो को सन्देश भी देना चाहते है कि हमें बेटियों को बचाना है, यह अनमोल है।

उदयपुर कलस्टर में 3 जिलों में जिला स्तर पर बांसवाड़ा, अजमेर, जैसलमेर में रैली का आयोजन किया गया। अजमेर जिले में 8 ब्लॉकों से करीब 150 महिलाओं ने भाग लिया। रैली में महिलाओं ने नाचते गाते हुए ढोल नगाड़ों से कलेक्ट्री पहुंचे वहां जिला कलेक्टर श्रीमती मंजू राजपाल को ज्ञापन दिया। जैसलमेर जिले की रैली भी धूमधाम से निकाली गई। सभी महिलाओं ने लाल रंग के कपड़े पहन कर एक जैसी वेशभूषा में रैली निकाली व जिला कलेक्टर

-शेष पृष्ठ-2 पर.....

कोटा जिले में 1 जून की रैली के दौरान मुख्यमंत्री के नाम पोस्टकार्ड डालती हुई महिलाऐं व उदयपुर जिले में जोश के साथ नारे लगाकर रैली निकालती हुई महिलाऐं

***मुख्यमंत्री जी, राम-राम एकल बहिणियां को दुआ सलाम,***
***महगांई नें दियो मार, पेंशन करो एक हजार।।***

इस बार 1 जून महिला सशक्तिकरण दिवस विशेष रहा क्यों कि इस बार इस दिन सभी ब्लॉकों से संगठन से जुड़ी सदस्याओं ने मुख्यमंत्री के नाम पोस्टकार्ड अभियान के तहत अपनी व अपने क्षेत्र की समस्याओं लिखे पोस्ट कार्ड डाले। जिसमे संगठन के कार्य क्षेत्र के 31 जिलों में सभी एकल महिलाओं ने एक साथ अपनी मांगे व समस्याऐं लिखकर अपने-अपने क्षेत्र से मुख्यमंत्री जी को पोस्ट कार्ड डाले।

## दो दिवसीय राज्य स्तरीय सदस्य बैठक आयोजित

एकल नारी शक्ति संगठन **द्वारा राज्य स्तरीय सदस्य बैठक मुख्य रूप से संगठन सदस्यों से विशेष व सफल केस की जानकारी, सदस्यों की भुमिका की जानकारी, नये सदस्यों की संख्या की जानकारी, बैंक खातों के हिसाब-किताब की जानकारी व पिछले चार माह में सदस्यों द्वारा किये गये कार्यो को रिपोर्ट के माध्यम से जानने तथा नये नियमों को शामिल करने पर चर्चा व अगली राज्य स्तरीय बैठक की तारीख तय करने के उद्‌देश्य से आयोजित की जाती है। जहां अलग-अलग जिलों में काम करने वाले 3-3 राज्य स्तरीय सदस्य एक स्थान पर एकत्र होकर अपने-अपने क्षेत्रों में किये गये कार्यों, उपलब्धियों व कार्य के दौरान आई समस्याओं को बताते हैं।**

इस बार एकल नारी शक्ति संगठन की ओर से यह बैठक दिनांक 25 से 26 मार्च 2012 को किसान भवन बीकानेर में आयोजित की गई। जिसमें 30 जिलों के 68 संभागियों ने भाग लिया।

**बैठक में रिपोर्ट पढ़कर पिछले चार माह के कार्यो का विवरण देती हुई राज्य स्तरीय सदस्याऐं**

शुरूआत में बीकानेर जिले की राज्य कमेटी सदस्यों ने सुशीला व तुलसा द्वारा तिलक लगाकर व लच्छा बांधकर सभी संभागीयों का स्वागत किया। फिर वातावरण निर्माण के साथ बैठक की शुरूआत

-शेष पृष्ठ-2 पर.....

# राज्य सरकार के साथ संगठन सदस्यों ने की लॉबिंग

**जयपुर, दिनांक 09.7.2012 को एकल नारी शक्ति संगठन की सदस्याओं द्वारा मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग सचिव अदिती मेहता, मंत्री अशोक बैरवा व मुख्य सचिव सी0के0 मैथ्यू के साथ संगठन प्रतिनिधियों द्वारा एकल महिलाओं की समस्याओं पर लॉबिंग की व एकल महिलाओं की समस्याओं पर मांग पत्र सोंपा गया। लॉबिंग के दौरान संगठन सदस्याओं की मुख्य मांगे थी :**

**1. सभी गरीब विधवाओं और परित्यकता महिलाओं की पेंशन राशि 500 रू. से बढ़ाकर 1000 रू. की जाये व बेटे का नियम हटाया जाये। (राज0 सरकार के चुनावी घोषणा पत्र मे 750/रु पेंशन का प्रावधान दिया गया था जिसमे उम्र का कोई प्रावधान नही था। परन्तु 750/रु पेंशन 75 वर्ष से उपर की उम्र की महिलाओ को ही दी जा रही है)**

2. परित्यकता महिलाओ को परिभाषित किया जाये।

3. परित्यकता पेंशन के नियम में यह भी जोड़ा जाये की जो परित्यकता महिलाऐं तीन वर्षो से अपने पति से अलग रह रही है और ग्रामीण क्षेत्र में पंचायत द्वारा व शहरी क्षेत्र में चेयरमेन या वार्ड पार्षद द्वारा प्रमाणित किया जाता है तो उन्हें विधवा महिलाओं को दी जाने वाली सभी सरकारी योजनाओं का लाभ दिया जाये।

4. मुस्लिम परित्यकता महिलाओं का यदि काजी द्वारा तलाक का प्रमाण पत्र है तो उसे भी परित्यकता पेंशन व अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ दिया जाये।

5. डायन/डाकन कहने वालों के लिए मजबूत कानून बनायें व यह कानून जल्द पास किया जाये।

6. ''**राजस्थान सरकार की आजिविका मिशन की निति**'' मे एकल महिलाओ के लिए शिक्षा, उम्र, रोजगार प्रशिक्षण चयन में प्राथमिकता के आधार पर निति मे विशेष बदलाव किया जाना चाहिए। क्योकि संगठन व गांव मे ज्यादा एकल महिलाऐं पढ़ी लिखी नहीं है और उम्र के मापदण्ड में भी बदलाव 16-35 वर्ष के स्थान पर 16 से 45 या 50 वर्ष हो।

संगठन सदस्याओं ने मुख्यमंत्री अदिती मेहता, मंत्री अशोक बैरवा व मुख्य सचिव सी0के0 मैथ्यू के सामने अपनी मांगे रखी जिस पर उन्होंने मांगों को जायज मानते हुए पूरा करने का आश्वासन दिया। लॉबिंग के दौरान सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अशोक बैरवा ने मुख्यमंत्री के नाम चिट्ठी लिखी जिसमें उन्होंने लिखा कि संगठन की सभी मांगे जायज हैं इसमें उचित कार्यवाही की जाये।

पृष्ठ-1 का शेष ...

## दो दिवसीय राज्य स्तरीय सदस्य बैठक ....

की गई जिसमें ''हम भारत की नारी हैं, फूल नहीं चिंगारी हैं'' जोश पूर्ण नारे लगाये। उसके बाद सभी जिलों की 4 माह के कार्यो की रिपोर्ट पढ़ी गई। जिसमें प्रत्येक जिले में संगठन से इस बार जुड़े नये सदस्य, बिल्ला वितरण व खातों का हिसाब प्रस्तुत किया गया। इसके अलावा बैठक में विशेष केसों में अपने सहयोग के बारे में व संगठन सदस्यों के बारे में बताया कि पिछले 4 माह में कुल सदस्य 1478 नये सदस्य बने। अतः अब संगठन कुल सदस्य 39,203 हो गये हैं।

बैठक में पूर्व में बनाये एजेण्डे पर भी चर्चा की गई जिसमें नये जिले व नये ब्लॉक जोड़ने हेतु मांग अनुसार लिस्ट तैयार की गई। बैठक में पूर्व में की गई लॉबिंग की रिपोर्ट, उनके अनुभवों व आगे के फोलोअप की तारीख के बारे में तथा पेंशन परिषद, बोम्बे पर व दिल्ली आंदोलन के बारे में बताया। साथ ही शशी राजगोपालन द्वारा संस्थान को दिये गये चन्दे के बारे में जानकारी दी गई। बैठक में युएन विमन कार्यक्रम के बारे में बताया कि यह विधवा महिलाओं के साथ जुड़कर सशक्तिकरण का कार्य कर रहा है। 1 जून महिला सशक्तिकरण दिवस पर इस बार क्या नया करना है, इस पर सुझाव मांगे गये। जिसमें निकल कर आया कि इस बार हम मांग पत्र के साथ-साथ ब्लॉक स्तर से पोस्टकार्ड भी भेजे जाये। इसके साथ ही महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र के बारे में सभी से सुझाव लेकर निर्णय लिया गया कि इसे आगे भी संचालित करेंगे।

राजस्थान में कन्या भ्रूण हत्या रोकने पर चर्चा की गई व निर्णय लिया कि संगठन सदस्याऐं अपने अनुभव से समाज व लोगों की मानसिकता बदलने के लिए कार्य करेंगी। अगली बैठक 28 से 29 जुलाई, 2012 को कोटा में करना तय किया गया। इसके पश्चात् गीत व नारों के जोश के साथ बैठक का समापन किया गया।

पृष्ठ-1 का शेष ...

## जोश पूर्ण नारों व गीतों के साथ

को ज्ञापन दिया। कोटा में महिला सशक्तिकरण के दिवस पर स्वयं सेवी संस्थाओं/संगठन के व्यक्तियों व संगठन की सदस्याओं ने महिला शक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए अपने-अपने विचार रखे। महिला अधिकारिता एंव बाल विकास विभाग कार्यक्रम निदेशक श्रीमती राजकुमारी हाड़ा द्वारा हरी झण्डी दिखाकर रैली का शुभारम्भ किया।

इस महिला सशक्तिकरण दिवस धूमधाम से मनाया गया और सभी ब्लॉकों में छः मुख्य मांगों सहित अपनी क्षेत्रिय मांगों के साथ संबन्धित प्रशासनिक अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन दिये गये।

**-: मांगे :-**

1. बीपीएल सूची में सभी गरीब व विधवा एकल महिलाओं को जोड़ा जाये।

2 सभी गरीब विधवाओं और परित्यकता महिलाओं की पेंशन राशि 500 रूपये से बढ़ाकर 1000 रूपये की जाये व पेंशन के नियम में से बेटे का नियम हटाया जाये।

3. ''राजस्थान सरकार की आजिविका मिशन की निति'' में एकल महिलाओं के लिए शिक्षा, उम्र व रोजगार प्रशिक्षण के चयन में प्राथमिकता के आधार पर निति में बदलाव किया जाना चाहिए। क्योंकि संगठन व गांव की एकल महिलाऐं ज्यादा पढ़ी-लिखी नहीं है। साथ ही उम्र के मापदण्ड में 16-35 वर्ष के स्थान पर 16 से 45 या 50 वर्ष होनी चाहिए।

4. परित्यकता पेंशन के नियम में यह भी जोडा जाये की जों परित्यकता महिलाऐ तीन वर्षो से अपने पति से अलग रह रही है, और ग्रामीण क्षेत्र मे पंचायत द्वारा व शहरी क्षेत्र में चेयरमेन या वार्ड पार्षद द्वारा प्रमाणित किया जाता है तो उन्हे परित्यकता पेंशन दी जानी चाहिए ।

5. ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली व पानी की समस्याओं के समाधान हेतु तुरन्त प्रभाव से कार्यवाही की जाये।

6.डायन/डाकन कहने वालों के खिलाफ तुरन्त प्रभाव से मजबूत कानून बनाया जाये।

## नारी तु सचमुच नारी है।

जिला स्तरीय सदस्य सम्मेलन बाड़मेर में महिलाओं को संदर्भ देने हेतु पधारे नायब तहसीलदार साहब ने एकल महिलाओं के होसले को देखकर एक सुन्दर कविता लिखी, जो यहां प्रस्तुत की जा रही है।

नारी तु सचमुच नारी है।
नये समय की, नई सोच में,
आखिर अब तेरी बारी है।
क्यों तुझको मरकर जीना है?
आदर्शों का विष पीना है।
सत्य, न्याय क्या हुआ नपुंसक
जो तेरा ही सुख छीना है।
'अग्नि–परीक्षित, बनवासी क्यों?
दृष्टि–हीन क्यों, गंधारी है।
आज तलक रोती आई है।
सब कुछ तू, खोती आई है।
करूणा, नीति, धर्म, संस्कृति।
हर युग में बोती आई है।
किन शब्दों में, नमन करूं मैं।
शर्मसार हूँ, लाचारी है।
तु जग–जननी, तु शक्ति है।
तु सृष्टि की सृजन–मति है।
तु सुन्दरता की देवी है।
पुरूष हृदय की आसक्ति है।
सत्य यही है, हर युग तेरा
सदा सर्वदा आभारी है।

- विश्वनाथ अवस्थी,
नायाब तहसीलदार, बाड़मेर

# एकल महिलाओं पर अत्याचार नहीं सहेंगे, नहीं सहेंगे

## ☐ तीन दिवसीय विधवा सम्मेलन आयोजित

**उदयपुर। विधवा महिला सम्मेलन दिनांक 1 मई से 3 मई 2012 तक आस्था प्रशिक्षण केन्द्र, बेदला उदयपुर में आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में पाँच ब्लॉक (धरीयावद, भदेसर, जवाजा, अजमेर व रेलमगरा) से कुल 110 विधवा महिलाओं ने जोश के साथ भाग लिया। इस सम्मेलन का उद्वेश्य विधवा महिलाओ कि स्थिति को बेहतर बनाने के लिए संभावित समाधान निकालना व संगठन के महत्व को बताकर इसके गॉव स्तर से राज्य स्तर तक के ढाँचे को समझाना था। इस तीन दिवसीय सम्मेलन मे विधवा महिलाओं की समस्याओं पर चर्चा कर उनकी समस्याओं के समाधान के लिए उपाय बताये गये व इसके साथ-साथ महिलाओं को कानूनी जानकारी, स्वास्थ्य सम्बन्धित जानकारी, एच.आई.वी./एड्स पर जानकारी, राशन वितरण प्रणाली व सरकारी योजनाओं की जानकारी और रोजगार सम्बन्धित जानकारी प्रदान करने हेतु अलग-अलग विभागों से संदर्भ व्यक्ति इस सम्मेलन में पधारे थे।**

**सम्मेलन मे विधवा महिलाओं के साथ समूह चर्चा मे मुख्य रूप से निम्न समस्याऐं निकल कर आई-**

**1. जमीन-सम्पति मे अधिकार नही।**
**2. डाकन-डायन अपशब्दो द्वारा अपमानित करना।**
**3. परिवार व समाज का दबाव।**
**4. सामाजिक रीती-रीवाज मे आगे नही आने देना।**

विधवा महिला सम्मेलन में रोल प्ले के दौरान प्रस्तुति देती हुई बहने

**इस सम्मेलन में दिल्ली से पधारे युएन विमेन कार्यकता अन्जु जी व श्रेयसी जी ने भी भाग लिया व विधवा महिलाओं के जीवन से जुडे प्रश्नों पर चर्चा की। सम्मेलन में जमीन-जायदाद संबधी व दूसरा डाकन-डायन संबन्धित रोल प्ले प्रस्तुत किये। इन रोल प्ले के माध्यम से विधवा महिलाओ पर होने वाले अत्याचार के बारे में बताया गया। इसके साथ ही महिलाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यकम भी प्रस्तुत किया गया व सम्मेलन मे सभी महिलाओं द्वारा मेंहदी व बिन्दी भी लगाई गई। इसी के साथ तीन दिवसीय सम्मेलन का समापन हुआ।**

## बहू समझ गई कि राजू बाई के साथ संगठन की शक्ति है।

राजू बाई ग्राम पंचायत लोहागढ़, पंचायत समिति धरियावाद, जिला प्रतापगढ़ की रहने वाली एक विधवा महिला है। इसकी बहू जिसका नाम बाबरी बाई है। बाबरी बाई स्वभाव से काफी गुस्सेल है। एक दिन वह अपने बच्चों से काफी झगड़ा कर रही थी क्योंकि वे रोटी मांग रहे थे। उनसे झगड़ा करते समय उसका बेटा भाग कर राजू बाई की गोद में जाकर बैठ गया। बाबरी बाई उसकी पिटाई करना चाहती थी। लेकिन राजू बाई ने उसे नहीं छोड़ा और पिटने से बचाती रही। इस पर बाबरी बाई ने उसे काफी भला-बुरा कहा।

शाम को बाबरी बाई ने इसी बात को लेकर अपनी सास से लड़ाई-झगड़ा किया कि काम धाम तो कुछ करती नहीं है और बैठे-बैठे बच्चों को और बिगाड़ रही है। बात इतनी बढ़ गई की बाबरी बाई ने राजू बाई पर हाथ उठा लिया और पिटाई कर दी जिससे राजू बाई के आगे के दांत टूट गये थे। जब राजू बाई ब्लॉक कमेटी की बैठक में आई तो सदस्यों ने उससे पूछा की तुम्हारे दांत कैसे टूटे? इस पर राजू बाई से रहा नहीं गया और उसकी रूलाई फूट पड़ी। उसने रोते-रोते कहा की मैं मेरी बहू से बहुत दुखी हूँ, वो मुझसे आये दिन झगड़ा करती है। फिर उसने सारी बात संगठन सदस्यों को बताई। फिर राजू बाई ने कहा कि मुझे कुछ भी समझ नहीं आ रहा कि मैं क्या करूं। इस पर ब्लॉक कमेटी की सदस्याओं ने उसे समझाया और कहा कि दुखी मत हो, हम तुम्हारे साथ है। फिर महिलाओं ने तुरन्त निर्णय लिया कि कमेटी सदस्य जाकर के उसकी बहू से बात करेंगे। फिर संगठन ब्लॉक कमेटी की कुछ सदस्यों ने गांव में जाकर बाबरी बाई को समझाया कि तेरे बेटों को तो तुझे ही रोटी देनी है तभी तो ये बुढापे में तुम्हारी सार संभाल करेंगे और तुझे रोटी देंगे।

कमेटी सदस्यों ने बाबरी से कहा कि तुम राजू बाई से झगड़ा क्यों करती हो। ये तो तुम्हारे और तुम्हारे बेटे-बेटीयों की भलाई के बारे में ही तो सोचती है। अगर तुम इससे झगड़ा करोगी तो फिर याद रखों की तुम भी कभी सास बनोगी, अगर तुम्हारी बहू तुम्हे ऐसे परेशान करेगी और मारपीट करके तुम्हारे दांत तोड़ेगी तो तुम्हे कैसा लगेगा?

इस पर बाबरी को संगठन सदस्यों की बात समझ में आई और उसने कहा कि आप ठीक कह रहे हो। आगे से मैं इन्हें परेशान नहीं करूंगी। इसके बाद राजू बाई की बहू ने उन्हें परेशान करना छोड़ दिया। बहू समझ गई थी की राजू बाई के साथ संगठन की शक्ति है।

## कठपुतलियों ने बताई एकल महिलाओं की समस्याऐं

**संगठन की बहनों को कुछ नया सीखाने और उनकी सोच बढ़ाने के लिए संगठन लगातार कोशिश करता रहा है। इसी को ध्यान में रखकर इस बार संगठन के युएन विमेन प्रोग्राम के तहत विधवा व परित्यकता महिलाओं को कठपुतली तैयार कर उनका प्रदर्शन करने का प्रशिक्षण का आयोजित किया गया।**

**यह प्रशिक्षण दिनांक 25 से 29 जून, 2012 तक तिलोनिया मे किया गया जिसमें अजमेर ब्लॉक से कुल 16 विधवा महिलाओ ने बड़े ही जोश के साथ भाग लिया। इस पाँच दिवसीय प्रशिक्षण में भाग लेने वाले सभी सम्भागियों को कठपुतली बनाना सीखाया गया व इन कठपुतलीयों को चलाने की कला को भी यहां बताया गया। प्रशिक्षण के पश्चात सभी संभागियों ने मिलजुल कर रंग-बिरंगी कठपुतलियां बनाई और उन्हें चलाना भी सीखा। जिसमें महिलाओं का बड़ा मजा आया। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य यह था कि कठपुतली के माध्यम से प्रशिक्षण में आई एकल महिलाओं को एकल महिलाओ पर हो रहे अत्याचारों के बारे में समझाया जाये। प्रशिक्षण में जब सभी महिलाओं ने अपनी-अपनी कठपुतलियां तैयार कर ली तो उसके बाद उनको कठपुतली के माध्यम से रोल प्ले (नाटक) तैयार करने को कहा गया। इस पर महिलाओं ने आपस में मिलकर दो रोल प्ले तैयार किये।**

**इन रोल प्ले में महिलाओं ने कठपुतलियों को चलाकर सामाजिक रीति-रिवाज मे बदलाव के बारे में नाटक प्रस्तुत किया। जिसमें बताया गया था कि एकल महिलाऐं अब रंगीन कपड़े पहनने लगी हैं, टीकी-बिन्दी व मेहंदी लगाने लगी हैं। दूसरे रोल प्ले में डाकन-डायन कहने वालों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही के बारे में महिलाओं ने कठपुतलियों के माध्यम से बताया।**

**प्रशिक्षण में तैयार की गई कठपुतलियां और उनको चलाकर प्रदर्शन करते हुए महिलाऐं**

### जागेगी क्या जाग गई, नारी शक्ति जाग गई

# ब्लॉक कमेटी सदस्य क्षमतावर्धन प्रशिक्षण आयोजित

प्रशिक्षण के दौरान थाना भ्रमण करती हुई, रैली निकाल कर शक्ति प्रदर्शन करती हुई संगठन की सदस्याऐं तथा बहनों को जानकारी देते हुए संदर्भ व्यक्ति

**सभी ब्लॉक कमेटी सदस्याऐं अपनी पंचायत व ब्लॉक की नैतृत्वकर्ता है और संगठन की नींव है। संगठन को मजबूत बनाने व गांव, पंचायत स्तर पर संगठन के कार्य व एकल महिलाओं की समस्या व मुद्दों को उठाने के लिए ब्लॉक कमेटी सदस्याओं को नई-नई जानकारियां, जोश व मजबूती प्रदान करने के लिए संगठन द्वारा समय-समय पर ब्लॉक कमेटी सदस्य के क्षमतावर्धन प्रशिक्षण आयोजित करवाये जाते हैं। जिससे वह अपने-अपने क्षेत्र में मजबूती के साथ संगठन का कार्य कर सके।**

**प्रशिक्षण के उद्देश्य :**

**यह प्रशिक्षण एकल महिलाओं की मुख्य समस्याओं की पहचान करने व विश्लेषण करने, संगठन का महत्व व त्रिस्तरीय ढांचे को समझने व एकल महिलाओं संबन्धित सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने तथा योजनाओं के नियम व प्रकिया समझने,** गांव व पंचायत स्तर पर समूह निर्माण की प्रकिया की क्षमता विकसित करने, ब्लॉक कमेटी सदस्यों की भूमिका व कार्य क्या है? भूमि-सम्पत्ति व अत्याचार से संबंधित कानूनों को जानना, पंचायती राज व्यवस्था को समझना, सूचना का अधिकार जैसे मुख्य उदेश्यों को लेकर यह प्रशिक्षण **आयोजित किया गया था।**

संगठन की ओर से इस बार तीन जिलों में ब्लॉक कमेटी सदस्य प्रशिक्षण आयोजित किये गये। जो कमशः निम्न प्रकार से है :-

प्रथम प्रशिक्षण : इस बार प्रथम प्रशिक्षण दिनांक 24 से 27 मई, 2012 तक ओसवाल माहेश्वरी धर्मशाला, किला रोड़ चित्तौड़गढ़ में आयोजित हुआ जिसमें गंगरार, बड़ी सादड़ी, निम्बाहेड़ा, भदेसर व प्रतापगढ़ जिले से धरियावाद, प्रतापगढ़, पंचायत समितियों से कुल 150 ब्लॉक कमेटी सदस्यों ने भाग लिया।

द्वितीय प्रशिक्षण :- दिनांक 11 से 14 जून 2012 तक आस्था प्रशिक्षण केन्द्र, बेदला, उदयपुर में आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में उदयपुर जिले से झाड़ोल, पडुंणा, कोटड़ा, खेरवाड़ा, सलुम्बर, सराड़ा से कुल 6 ब्लॉक की 65 ब्लॉक कमेटी सदस्यों ने भाग लिया।

तृतीय प्रशिक्षण : दिनांक 19 से 22 जून 2012 को गौतम भवन, सीकर में तीसरा प्रशिक्षण आयोजित हुआ, जिसमें जिला सीकर के 4 ब्लॉक दातारामगढ़, पिपराली, श्रीमाधोपुर, लक्ष्मणगढ़, झुन्झनूं जिले का नवलगढ़, जयपुर जिले का चौमू ब्लॉक से कुल 80 संभागियों ने भाग लिया।

''अभी तो ये अंगड़ाई है, आगे और लड़ाई है'' ''महिला शक्ति जिन्दाबाद-2'' जैसे जोश पूर्ण गीत व नारों के साथ व संभागियों के परिचय के साथ प्रशिक्षण की शुरूआत हुई। प्रशिक्षणों में समूह चर्चा में सभी सदस्यों की समस्याऐं निकलवायी गई। जिसमें मुख्य समस्याऐं बेटे रोटी नहीं देते, जमीन सम्पत्ति में अधिकार नहीं है, मजदूरी पर राशि देरी से मिलती है, पेंशन समय पर नहीं मिलती, चयनित में नाम नहीं है, इसके अलावा पारिवारिक, अत्याचार संबन्धित समस्याऐं निकल कर आयी।

प्रशिक्षणों में महिलाओं को विभिन्न जानकारियों हेतु संदर्भ व्यक्तियों को बुलाया गया था। इस कम में चित्तौड़ प्रशिक्षण में जिला परिषद सहायक कार्यकम अधिकारी संदीप लक्षकार द्वारा संभागियों को रोजगार गारन्टी कानून की जानकारी, अर्थ संस्थान से परवीन बानों द्वारा स्वास्थ्य संबन्धित जानकारी, एडवोकेट चांदमल द्वारा कानूनी जानकारी दी गई।

उदयपुर प्रशिक्षण में गीर्वा तहसीदार श्री भगवान लाल जी द्वारा इंतकाल खाता व जमीन संपत्ति में महिलाओं के अधिकार संबन्धित जानकारी दी, अर्थ संस्थान से स्वप्नील जी द्वारा बढ़ती उम्र में होने वाली बीमारियों की रोकथाम व समाधान की जानकारी दी। पंचायत समिति-बड़गांव से बीडीओ सुशील जी ने विकास योजनाओं, नरेगा, कानून व पेंशन योजना, पालनहार योजना, महिला स्वयं सिद्धा योजना की जानकारी दी। बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग, मोहन लाल सुखाडिया, विश्व विद्यालय से डॉ राजेश्वरी नारेन्द्रन ने महिलाओं को सशक्त होने के प्रति जागरूकता लाने के लिए एक खेल खिलाया। इस खेल के माध्यम से यह समझाया कि हम सरकार से योजनाऐं नहीं ले सकते हैं, दूसरे लोग इसका लाभ ले जाते हैं। वर्तमान में महिलाओं के आय संवर्धन के लिए एमईएस योजना की जानकारी दी और आय प्राप्त करने के तरीके बताये। पंचायती राज व्यवस्था की जानकारी आस्था से अश्वनी पालीवाल जी द्वारा दी गई। एडवोकेट वंदना जी द्वारा कानूनी जानकारी दी गई व कन्या भ्रूण हत्या पर विरोध जताया।सीकर प्रशिक्षण में बीपीएल से संबन्धित जानकारी हेतु जिला प्रमुख रीठा चौधरी ने महिलाओं की समस्या सुनी व समाधान हेतु प्रार्थना पत्र लिये। प्रशिक्षण में समाज कल्याण विभाग से श्री मुकेश नारायण माथुर, जिला परिषद से सीईओ साहब व एडवोकेट साहब कानूनी जानकारी हेतु प्रशिक्षण में आये।प्रशिक्षणों में अंतिम दिन सभी बहनों को महिला सलाह सुरक्षा केन्द्र व महिला पुलिस थाने का भ्रमण करवाया जहां थाना भ्रमण के दौरान थानाधिकारी द्वारा एफआईआर दर्ज करवाने की प्रकिया सभी बहनों को बताई। महिलाओं के साथ थाने में किस तरह से व्यवहार किया जाता है। उसके बारे में पूरी प्रकिया बतायी गई।

रात्रि सत्र में प्रशिक्षणों में शिक्षाप्रद रोल प्ले प्रस्तुत किये गये व रीतिरिवाज परिवर्तन करने हेतु सभी बहनों ने मेहंदी व बिन्दी लगाई। प्रशिक्षणों के समापन अवसर पर महिलाओं का कहना था कि अगर महिलाओं में इतनी जानकारी है तो वह किसी से कम नहीं है। वे परिवार-समाज व सरकार से लड़ाई लड़कर अपने अधिकार ले सकती है।

## विस्तार की ओर बढ़ते कदम

एकल नारी शक्ति संगठन, राजस्थान में एकल महिलाओं को संगठन से जोड़ने, उन्हें सशक्त करने के लिए व महिलाओं की मांग को देखते हुए प्रति वर्ष 10 ब्लॉकों में विस्तार करते हैं।

इस बार संगठन का कार्यक्षेत्र बढ़ाते हुए उदयपुर कलस्टर में नागौर जिले की ''रिया'' ब्लॉक का गठन किया गया। यह गठन दिनांक 18 जुलाई, 2012 को किया गया जिसमें 200 संभागियों ने भाग लिया। इस प्रकार वर्तमान में संगठन का कार्यक्षेत्र 131 से बढ़कर 132 ब्लॉकों में हो गया है। रिया ब्लॉक में एक बड़ी बैठक आयोजित की गई थी। जहां भाग लेने वाली सभी महिलाओं को संगठन के महत्व, संगठन का ढांचा, संगठन के उद्देश्य व संगठन के कार्यो के बारे में बताया गया था।

उसके बाद सभी महिलाओं को अलग-अलग पंचायत वाईज बैठाकर 3-3 महिलाओं का चयन कर ब्लॉक कमेटी का गठन किया गया तथा मिटिंग की दिनांक तय की गई।

# बेटी को अधिकार दो, बेटे जैसा प्यार दो

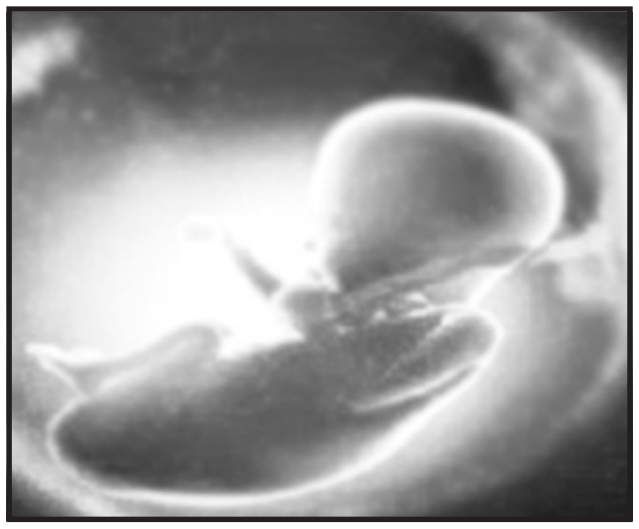

- आओ घर-घर अलख जगायें, कन्या संतान को गले लगायें।
- ना अपनी दुनिया स्वयं मिटाओ, होश में आओ बेटी बचाओ।

बेटों की अपेक्षा बेटियां किस तरह मां-बाप के लिए अनमोल है कुछ भावनात्मक व जीवन के अनुभवों के आधार पर कुछ संगठन सदस्यों के विचार यहां व्यक्त किये :-

1. मेरे पांच लड़के है, लेकिन फिर भी मैं अकेली रहती हूँ। आये दिन मेरे साथ गाली-गलोच मारपीट करते हैं। मेरा जीना दुभर कर रखा है। सोचती हूँ कि पांच बेटियां होती तो शायद यह दिन नहीं देखना पड़ता।
   - शांति बाई
2. बेटा तो एक वंश चलाता है, बेटी तो दो-दो वंश चलाती है, फिर क्यों कहते हैं कि बेटे से वंश चलता है। मेरे दो बेटे व एक बेटी हैं लेकिन बेटी ने सम्मान दिलवाया है और बेटे ने हर जगह झुकाया है। - शिमला गौत्तम
3. बेटियां ही मां-बाप को भावनात्मक सहारा देती हैं। मां-बाप के दुःख को बेटियां ही समझती हैं। बेटियां अनमोल हैं, हम सबको इन्हें बचाना है।
   - कमल पथिक
4. मेरी एक ही बेटी है, लेकिन वो लड़का व लड़के दोनों की जिम्मेदारी निभाती है। मेरे दुख दर्द को और मेरी हर लड़ाई में मेरे साथ है, मुझे कभी दुख नहीं हुआ की मेरे लड़का नहीं है।
   -सोना देवी सोनी
5. बेटे बहु ने बुढ़ापे में ठुकराया, बेटी ने सहारा दिया।
   - प्रेमलता गुप्ता

संगठन की सदस्य सोसर बाई द्वारा बनाई गई मेहंदी की डिजाईन

देश में पुरूषों के मुकाबले स्त्रियों की कम होती संख्या चिंता का विषय है। यह चिंता होनी भी चाहिए क्यों कि हम सब समाज की बात करते हैं तो वह महिला व पुरूष दोनों से मिलकर बनता है।

पूरी दुनिया और खासतौर पर हम महिलाओं के लिए यह चिंता का विषय है। यदि हमारा अस्तित्व ही कोख में समाप्त कर दिया जायेगा तो धीरे-धीरे नारी जाति ही समाप्त हो जायेगी। यदि हमारा अस्तित्व ही नहीं रहेगा तो हम किसके लिए लड़ेगें।

एकल नारी शक्ति संगठन के राजस्थान में 39,203 शुल्कमय सदस्य हैं।

एकल नारी शक्ति संगठन महिलाओं के अस्तित्व को बचाने के लिए बढ़ती कन्या भ्रूण हत्या के विरोध में है और संगठन सदस्याओं का कहना है कि यदि महिलाओं का अस्तित्व बनाये रखना है तो कन्या भ्रूण हत्या को रोकना होगा। इसको रोकने के लिए कानून से ज्यादा पुरूष प्रधान समाज व लोगों की मानसिकता में बदलाव आवश्यक है। आजकल हम देख रहे हैं कि बेटियां भी बेटों से कम नहीं है और मां-बाप का नाम रोशन कर रही है। बेटे व बेटी में भेद को लेकर अक्सर समाज की यही सोच रहती है कि बेटा वंश चलाता है व बुढ़ापे का सहारा है, लेकिन यदि हम अपने आस पास देखें तो हम देखते हैं कि बुढ़ापे में बेटे मां बाप को घर से निकाल देते हैं और उनको मानसिक प्रताड़ना देते हैं।

ऐसे में बेटियां ही मां-बाप के दुखों को समझती है और उनको सहारा देती है।

मां को बेटियों ने दी मुखाग्नि... केशवपुरा मुक्तिधाम में बुधवार को एक वृद्ध मां को उसकी बेटियों ने मुखाग्नि दी। बारां निवासी 85 वर्षीय कंचन बाई बेटा नहीं होने के कारण अक्सर अपनी बेटियों कोटा के छावनी निवासी मनोहर बाई व केशवपुरा सेक्टर-7 निवासी कांति बाई के पास रहती थी। बुधवार सुबह करीब साढ़े 8 बजे निधन होने के बाद उनकी दोपहर को केशवपुरा मुक्तिधाम में अंत्येष्टि हुई। इनसेट में मृतका कंचन बाई।

राजस्थान पत्रिका
उदयपुर . शनिवार
17.09.2011
लेकसिटी

## पुत्रियों ने मां को दी मुखाग्नि

भूपालपुरा में शुक्रवार को एक वृद्धा की मृत्यु पर उसकी चार पुत्रियों ने चिता को मुखाग्नि दी।भूपालपुरा निवासी चंदादेवी 60 पत्नी स्व: किशनलाल छाबड़ा की शुक्रवार को मृत्यु हो गई। उसके पुत्र नहीं होने पर चार पुत्रियों भारती चावला, पवन उधानी, लक्ष्मी डोडेजा व पूनम छाबड़ा ने अशोकनगर स्थित श्मशानघाट पर मां चंदादेवी की चिंता को मुखाग्नि दी। अंत्येष्टि में सिंधी समाज के लोग भी शामिल हुए। (कासं)

# संगठन की मदद से मुझे मिली खुशियां

मेरा नाम केसर बाई है। मेरी शादी आज से 15 साल पहले गांव चन्देरिया, जिला चित्तौड़गढ़ में हुई थी। शादी के बाद से ही मेरे दुखों का जीवन शुरू हो चुका था क्यों कि मेरा पति मुझे पसंद नहीं करता था। शादी के सात साल तक मैं यह दुख झेलती रही। फिर एक दिन मेरे पति ने मुझे लड़ झगड़ कर मेरे पीहर भेज दिया।

कुछ समय बाद मुझे पता चला की मेरे पति ने दूसरी शादी कर ली है। मैंने तय कर लिया कि अब मैं कभी अपने ससुराल में कदम नहीं रखुंगी। कुछ दिन ऐसे ही गुजर गये। एक दिन गांव की एक बहन के कहने पर मैं ब्लॉक कमेटी बैठक में गई। वहां सभी बहनों को देखकर मेने सोचा कि यहां तो सभी महिलाऐं मेरी जैसी है फिर भी ये कितनी खुश है । फिर मैं भी संगठन की सदस्य बन गई। आज मुझे संगठन से जुड़े हुए 3 साल हो गये हैं। एकल नारी शक्ति संगठन सभी एकल, विधवा बहनों के लिए एक परिवार के जैसा है। सब एक दूसरे की मदद करते हैं। एक दिन ब्लॉक कमेटी सदस्यों ने मुझसे कहा कि कब तक ऐसे अकेली रहोगी, अभी तुम्हारी उम्र भी कम है। तुम्हे दूसरी शादी कर लेनी चाहिए। तब मैंने ने दूसरी शादी करने से मना कर दिया। इस पर संगठन सदस्य पुष्पा बाई जी मुझे महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र में लेकर गई और वहां रिपोर्ट दर्ज करवाई। वहां महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र वालों ने मेरे पति को बुलाकर पहले खर्चा देने को कहा। लेकिन उसने खर्चा देने से मना कर दिया। तब सदस्यों ने कहा कि इसे अपने साथ रखो। फिर पुष्पा जी ने मेरी सास को भी वहां बुलवाया और समझाया इस पर सास तो मान गई लेकिन पति राजी नहीं हुआ।

फिर सदस्यों ने पति को भी समझाया। तब वो भी मान गया और 5 फरवरी, 2012 को ससुराल वाले मुझे लेने के लिए आ गये। अब यहां सब कुछ पहले से काफी अच्छा है, मेरा पति भी मुझे परेशान नहीं करता। मेरी जिन्दगी में ये खुशीयां संगठन व संगठन सदस्यों की मेहनत और पक्के इरादे से आई है।

# संगठन कार्यकर्ता नेतृत्वकर्ता क्षमतावर्धन प्रशिक्षण आयोजित

**प्रशिक्षण में अपनी प्रस्तुति देतीं संगठन कार्यकर्ता**

कोटा। **संगठन के कार्यकताओं में इतनी क्षमता विकसित हो की वे अपने ब्लॉक की सदस्याओं का नेतृत्व और बेहतर तरीके से कर सके, ब्लॉक मिटिंग को रोचक व प्रभावी बनाये, महिलाओं की समस्याओं का समाधान प्रभावी तरीके से कर सके, साथ ही नई जानकारियों को प्राप्त कर सदस्यों तक उसका लाभ पहुंचायें। इसके अलावा संगठन के त्रिस्तरीय ढांचे, उद्देश्यों व नियमों की जानकारी देने के लिए संगठन कार्यकर्ता नेतृत्व क्षमतावर्धन प्रशिक्षण का आयोजन किया जाता है।**

इस बार यह प्रशिक्षण दिनांक 23 से 25 अप्रेल, 2012 को कृषि विज्ञान केन्द्र, बोरखेड़ा, कोटा में आयोजित किया गया। जिसमें 28 संगठन कार्यकर्ताओं ने जोश व उत्साह के साथ भाग लिया।

प्रशिक्षण की शुरूआत वातावरण निर्माण व परिचय के साथ हुई। प्रशिक्षण में सभी संगठन कार्यकर्ताओं से अपेक्षाऐं पूछी गई कि आपकी संगठन से क्या अपेक्षाऐं हैं, फिर उनसे ब्लॉक कमेटी बैठक के उद्देश्यों के बारे में जाना गया। इसके पश्चात् चले सत्र में मासिक बैठक के दौरान आने वाली समस्याओं व उनके समाधान के बारे में चर्चा की गई। कार्यकर्ताओ को एक आदर्श ब्लॉक कमेटी बैठक के गुण बताये गये व बैठक को प्रभावी व रोचक बनाने के तरीकों पर सुझाव लिये गये।

दूसरे दिन प्रशिक्षण में संगठन का ढांचा बताया व उद्देश्यों पर चर्चा की गई जिसमें बताया गया कि यह प्रशिक्षण संगठन कार्यकर्ताओं का क्षमतावर्धन करने, उनको एकल महिलाओं से संबन्धित योजनाओं की जानकारी देने, महिला कानून की जानकारी देने, दस्तावेजी करण करने व सीखने, लॉबिंग, प्रेस कांफ्रेन्स करने व सीखने, कार्यकर्ता की भूमिका व जिम्मेदारी समझाने, लेखे सम्बन्धित नियमों को बताने, ब्लॉक मासिक बैठक को प्रभावी व रूचिपूर्ण बनाने, एकल महिलाओं के मुद्दों को मजबूती से उठाने, ब्लॉक ऑडिट करने व सीखने तथा संगठन के ढांचे की जानकारी देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। इसके बाद सभी कार्यकर्ताओं से पूछा गया कि एक अच्छे ब्लॉक नेतृत्वकर्ता में क्या-क्या गुण होना चाहिए? इस पर सभी कार्यकताओं ने अपने-अपने विचार रखे।

इसके बाद ब्लॉक कमेटी मासिक बैठक से पूर्व मानसिक तैयारी करने, संगठन के नियमों व नये नियमों को लागू करने, ग्राम स्तर की बैठक में प्रभावी ढंग से मुद्दों को उठाने व इसके माध्यम से महिलाओं की समस्याओं का समाधान करने की प्रकिया समझाई। प्रशिक्षण के अंतिम दिन जोश पूर्ण गीत व नारों के साथ नेतृत्वकर्ता प्रशिक्षण का समापन किया गया।

## कमला बाई अब फिर कर सकेगी अपनी जमीन पर खेती

कमला बाई एकल नारी शक्ति संगठन की सदस्य है। यह गांव बेटनिया पंचायत रघुनाथपुरा, ब्लॉक डूंगरपुर जिला डंगरपुर की रहने वाली है। कमला बाई के पास अपना गुजारा करने के लिए जमीन का छोटा सा टुकड़ा है। लेकिन कमला बाई का देवर हरीश नहीं चाहता था कि वह खेती करे और इस जमीन पर अपना अधिकार जमाये। इसलिए वह आये दिन कमला बाई को परेशान करता और खेती नहीं करने देता था। वह कहता था कि तुम्हारा इस जमीन पर कोई अधिकार नहीं है।

इससे परेशान होकर कमला बाई ने थाने में जाकर देवर हरीश के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवा दी। थाने वालों ने कार्यवाही करते हुए कमला के देवर को थाने में बुलाया। जब वह थाने में जा रहा था तब भी वह कमला बाई को गाली-गलोच कर रहा था। कमला को भी थाने में समझाईश हेतु बुलाया तो कमला बाई ब्लॉक कमेटी सदस्यों को साथ में लेकर गई। वहां उसका देवर इतनी महिलाओं को कमला बाई के साथ देखकर चौंक गया और कहने लगा कि ये जब औरतों को लाई है तो क्या फैसला करेगी। फिर संगठन सदस्यों ने संगठन के बारे में और कमला बाई की समस्या के बारे में थाने वालों को बताया। इस पर हरीश को थाने वालों ने काफी फटकारा और उससे 2000 रूपये की राशि दण्ड के रूप में कमला बाई को दिलवायी और आगे से परेशान न करने के लिए पाबन्द किया। कमला बाई बहुत खुश हुई की उसे संगठन की मदद से न्याय मिल। उसने खुशी से 50 रूपये चन्दा राशि संगठन में दी।

l ok e] c d ikLV

Jheku@Jherh ------------------------------------------------

i rk ------------------------------------------------

------------------------------------------------

------------------------------------ fiu dkM ------------------

## एकल नारी शक्ति संगठन के सदस्यों की संख्या

| क्र.सं. | जिला | ब्लॉक | सदस्य |
|---|---|---|---|
| 1. | अजमेर | 9 | 4014 |
| 2. | राजसमंद | 5 | 1949 |
| 3. | सिरोही | 3 | 836 |
| 4. | डूंगरपुर | 5 | 1023 |
| 5. | बांसवाड़ा | 6 | 647 |
| 6. | उदयपुर | 8 | 2938 |
| 7. | भीलवाड़ा | 6 | 2069 |
| 8. | जोधपुर | 5 | 961 |
| 9. | नागौर | 4 | 1711 |
| 10. | जालोर | 2 | 905 |
| 11. | पाली | 4 | 1358 |
| 12. | चित्तौड़गढ़ | 4 | 814 |
| 13. | टोंक | 5 | 878 |
| 14. | बारां | 5 | 2223 |
| 15. | बूंदी | 4 | 1327 |
| 16. | अलवर | 3 | 943 |
| 17. | सवाईमाधोपुर | 5 | 1002 |
| 18. | जयपुर | 4 | 1195 |
| 19. | कोटा | 6 | 1912 |
| 20. | दौसा | 4 | 1133 |
| 21. | बाड़मेर | 4 | 762 |
| 22. | सीकर | 4 | 643 |
| 23. | चुरू | 3 | 1949 |
| 24. | झालावाड़ | 6 | 2513 |
| 25. | जैसलमेर | 3 | 1113 |
| 26. | करौली | 3 | 698 |
| 27. | प्रतापगढ़ | 4 | 657 |
| 28. | भरतपुर | 3 | 637 |
| 29. | बीकानेर | 2 | 137 |
| 30 | हनुमानगढ़ | 2 | 228 |
| 31 | झुंझनू | 1 | 28 |
| | | 132 | 39,203 |

यदि कोई एकल महिला, एकल नारी शक्ति संगठन के बारे में कोई जानकारी चाहती है या सदस्य बनना चाहती है, अथवा अपने क्षेत्र को संगठन से जोड़ना चाहती है तो वह निम्न पते पर सम्पर्क करें -

## एकल नारी शक्ति संगठन

**- : पता : -**

39, खारोल कोलोनी, उदयपुर-313004 (राज.)

फोन :0294-2451348 फैक्स :0294-2451391

3-पीपल्दा हाऊस, सिविल लाईन, कोटा -324008

फोन : 0744-2450726 फैक्स : 0744-2329536

**ईमेल** : astha39@gmail.com
**ईमेल** : enss_kota@yahoo.com
**ईमेल** : ensskota@gmail.com
**Website:** www.strongwomenalone.org